आदर्श गौरव ने फिल्म 'तू या मैं' में गाया रैप गाना

बॉलीवुड अभिनेता आदर्श गौरव ने अपनी आने फिल्म 'तू या मैं' में रैप गाना गाया है.

आदर्श गौरव के लिए परफॉर्मेंस सिर्फ डायलॉग बोलने या शारीरिक अभिनय तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें लय, आवाज़ और संगीत भी शामिल हैं. अपनी आने वाली फिल्म तू या मैं में आदर्श ने एक बड़ा क्रिएटिव कदम उठाया है. उन्होंने फिल्म के रैप गाने 'जी लिए' को अपनी आवाज़ दी है, जो किसी फीचर फिल्म के लिए उनका पहला सोलो प्लेबैक सिंगिंग डेब्यू है. इस गाने को आदित्य नारायण ने को-कंपोज़ और प्रोड्यूस किया है, जबकि इसके बोल चकोरी द्विवेदी ने लिखे हैं. हमेशा की तरह, आदर्श के लिए यह म्यूज़िकल अनुभव सिर्फ एक अलग प्रयोग नहीं है, बल्कि उनके किरदार और कहानी का स्वाभाविक हिस्सा है. आदर्श मानते हैं कि संगीत कहानी कहने का एक बहुत ताक़तवर ज़रिया है. यह उन भावनाओं, अंदरूनी संघर्षों और अनकही बातों को भी सामने ला सकता है, जिन्हें शब्दों में कहना मुश्किल होता है. तू या मैं के लिए गाने का फैसला भी इसी सोच से जुड़ा है – परफॉर्मेंस में बस कुछ जोड़ने के लिए नहीं, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने के लिए. आदर्श गौरव ने कहा, 'संगीत हमेशा मेरे लिए बहुत निजी रहा है. मैं इसे अभिनय से अलग नहीं मानता, बल्कि यह मेरे लिए भावनाओं, लय और किरदार को समझने का हिस्सा है. जब तू या मैं मेरे पास आई, तो किरदार का रैप के ज़रिए खुद को व्यक्त करना मुझे बेहद सच्चा और स्वाभाविक लगा. यह सिर्फ सिंगर बनने के लिए नहीं था, बल्कि किरदार को उसकी असली भाषा में बोलने देने की बात थी.' आदर्श गौरव ने कहा, 'रैप आपको एक साथ कच्चे विचार, उलझन, गुस्सा, नज़ाकत और सच्चाई जाहिर करने की आज़ादी देता है. इस ट्रैक को रिकॉर्ड करना किसी सीन की शूटिंग जितना ही भावनात्मक था.

कपिल शो में एआर रहमान का खुलासा

ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान ने कहा है कि 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के नवीनतम एपिसोड में शो के 'व्हिस्पर गेम' का इस्तेमाल यह समझाने के लिए किया कि संदेशों को किस प्रकार विकृत किया जा सकता है. रहमान ने हाल ही में हिंदी फिल्म उद्योग के बारे में यह बात कह कर सुर्खियां बटोरी थीं कि यह उद्योग हाल के वर्षों में अधिक 'सांप्रदायिक' हो गया है. गेम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'यह देखने का एक अच्छा अभ्यास है कि सूचना को कैसे गलत समझा जाता है.

अलग-अलग राज्य, अलग-अलग संस्कृतियां. दुनिया की समस्या यही है कि संदेश रास्ते में कैसे विकृत हो जाते हैं.' रहमान शो में किशोर पांडुरंग बेलेकर द्वारा निर्देशित मूक फिल्म 'गांधी टॉक्स' के प्रमोट करने के लिए आए थे, जिसके लिए उन्होंने संगीत तैयार किया है. उनके साथ फिल्म के कलाकार भी मौजूद थे, जिनमें विजय सेतुपति, अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ जाधव शामिल थे.

मूक फिल्म के लिए संगीत तैयार करने के बारे में बात करते हुए रहमान ने कहा, 'अगर संवाद नहीं हैं, तो यह संगीत का एक अद्भुत उत्सव है. क्योंकि आपके पास संगीत बनाने के लिए पूरी जगह होती है, लेकिन साथ ही यह डरावना भी होता है क्योंकि लोग आलोचना करेंगे. हर सुर सबके सामने होगा.' उन्होंने आगे कहा कि बेलेकर ने उनकी रचनात्मक प्रक्रिया में अद्वितीय सहयोग दिया. रहमान ने मज़ाक में कहा, 'वह पहले निर्देशक हैं जिन्होंने कभी आकर मुझे कुछ नकारात्मक नहीं कहा और न ही यह कहा कि 'मुझे यह पसंद नहीं है.' मैं जो कुछ भी देता हूं, वह उसे स्वीकार करते हैं. यहां तक कि अगर मैं 'टैंग' भी बजाऊं, तो वह हां कह देंगे.'

प्रेग्नेंसी फेज में भी फैशन क्वीन बनीं सोनम

प्रेग्नेंसी के दौरान भी एक्टिव और स्टाइलिश रहना सोनम कपूर की पहचान बन चुका है. हाल ही में सामने आई तस्वीरों में एक्ट्रेस मुंबई के एक स्टोर में शूट के लिए पहुंचीं, जहां पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरों में कैद कर लिया.

इस दौरान सोनम व्हाइट लॉन्ग स्कर्ट और व्हाइट शर्ट में नजर आईं. उन्होंने शर्ट के बटन खोलकर उसे स्कर्ट के साथ बेहद अलग और स्टाइलिश तरीके से कैरी किया, जिससे उनका बेबी बंप साफ नजर आया.

सोनम का यह लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. बालों में स्लीक बन, स्टेटमेंट ईयररिंग्स, ग्लॉसी लिपस्टिक और सटल मेकअप में एक्ट्रेस की खूबसूरती देखते ही बन रही थी. उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो साफ झलक रहा था, जिसने उनके पूरे लुक को और खास बना दिया.

पैपराजी के सामने सोनम ने न सिर्फ कॉन्फिडेंस के साथ पोज दिए, बल्कि फैंस के साथ तस्वीरें क्लिक कराने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी. उनकी मिलियन डॉलर स्माइल ने हर किसी का दिल जीत लिया. फैंस सोशल मीडिया पर लगातार कमेंट कर उनकी तारीफ कर रहे हैं और उन्हें 'प्रेग्नेंसी फैशन गोल्स' बता रहे हैं. वर्क फ्रंट से दूर होने के बावजूद सोनम कपूर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं. 40 साल की उम्र में दूसरी बार मां बनने जा रहीं सोनम अपने इस खास फेज को पूरी तरह एन्जॉय कर रही हैं.

सृष्टि के किरदार की प्रेरणा अपने जीवन से मिली : एकता कौल

अभिनेत्री एकता कौल का कहना है कि शो गुम यादें – एक डॉक्टर, दो ज़िंदगियाँ में सृष्टि के किरदार की प्रेरणा अपने जीवन से मिली है.

सोनी सब अपने आगामी मेडिकल ड्रामा हुई गुम यादें – एक डॉक्टर, दो ज़िंदगियाँ के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है. यह शो विश्व स्तर पर सराहे गए इतालवी सीरीज़ डीओसी का भारतीय रूपांतरण है, जिसे कई देशों में सफलतापूर्वक रीमेक किया गया है. जीवन, प्रेम और पहचान में दूसरे मौकों की थीम पर आधारित यह शो डॉ. देव की असाधारण यात्रा को दर्शाता है.एक प्रतिभाशाली डॉक्टर जिसे एक जीवन-परिवर्तनकारी हादसे के बाद अपनी आठ वर्षों की स्मृति खो जाने पर अपनी दुनिया को फिर से बनाना पड़ता है.प्रतिभाशाली अभिनेत्री एकता कौल इस शो में सृष्टि का अहम किरदार निभा रही हैं. एकता कौल ने कहा, 'इस किरदार के लिए मेरी बहुत सी प्रेरणा मेरे अपने जीवन से मिली है. 2023 में अपने काम की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद, मैंने सोच-समझकर एक कदम पीछे लिया ताकि अपने बेटे वेद के साथ समय बिता सकूँ और जीवन को धीमी, अधिक सजग गति से जी सकूँ.

घर पर रहना, रोज़मर्रा की ज़िम्मेदारियाँ निभाना और बस उसके साथ उपस्थित रहना मुझे गहरी शांति और संतोष देता था – जो सेट पर होने से अलग था, लेकिन उतना ही संतोषजनक. मैंने उस भावना को अपने साथ रखा जब मैं सृष्टि का किरदार निभा रही थी, जो भी एक नई वास्तविकता का सामना कर रही है.

'दो दीवाने शहर में' का ट्रेलर जल्द होगा रिलीज

ज़ी स्टूडियोज़ और भंसाली प्रोडक्शंस की फिल्म 'दो दीवाने शहर में' का ट्रेलर चार फरवरी को रिलीज होगा.

फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक प्यारा-सा वीडियो साझा किया है, जिसमें फिल्म के किरदार शशांक और रोशनी नज़र आ रहे हैं. वीडियो के साथ शेयर किए गए कैप्शन में लिखा गया है, 'क्या आपने यह खबर सुनी? 'दो दीवाने शहर में' का ट्रेलर आ रहा है सिर्फ दो दिनों में! इस वैलेंटाइन्स, इश्क़ से इश्क़ हो जाएगा. 'दो दीवाने शहर में' 20 फरवरी, सिर्फ सिनेमाघरों में.

ज़ी स्टूडियोज़ और भंसाली प्रोडक्शंस प्रस्तुत 'दो दीवाने शहर में' में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे. इस फिल्म का निर्देशन रवि उदयावर ने किया है. इसके निर्माता संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भारत कुमार रंगा हैं, जो रवि उदयावर फिल्म्स के सहयोग से इस फिल्म को प्रस्तुत कर रहे हैं.

फिल्म 'दो दीवाने शहर में' की सिनेमाघरों में रिलीज़ 20 फरवरी 2026 को रिलीज होगी.

जैस्मीन अख्तर ने गाना 'मलिक दयाल' किया रिलीज़

म्यूजिक सेंसेशन जैस्मीन अख्तर ने अपना लेटेस्ट सिंगल 'मलिक दयाल' रिलीज़ कर दिया है. यह गाना जैस्मीन अख्तर के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम हो रहा है. 'मलिक दयाल' में दमदार बोल, आकर्षक म्यूज़िकल अरेंजमेंट और प्रीमियम विज़ुअल प्रेज़ेंटेशन का शानदार मेल देखने को मिलता है. जी खान के साथ यह ट्रैक कल्चरल गहराई को मॉडर्न साउंड के साथ खूबसूरती से जोड़ता है, जो उस म्यूज़िकल स्पेस को दर्शाता है जिसे जैस्मीन अख्तर ने लगातार अपने लिए तैयार किया है. जैस्मीन अख्तर ने कहा, 'मैं जो भी गाना करती हूँ, वह मेरे दिल के बहुत करीब होता है.

चॉल में हंगामा, अनुपमा ने पलट दी बाजी

टीवी सीरियल अनुपमा में 2 फरवरी का एपिसोड दर्शकों के लिए जबरदस्त ड्रामा और सस्पेंस से भरपूर रहा. जिस रजनी देसाई ने अब तक अपनी चालाकी और झूठ के दम पर सबको बेवकूफ बना रखा था, उसी की पोल इस एपिसोड में खुलेआम खुल गई. दर्शक काफी समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे कि आखिर कब रजनी की सच्चाई सामने आएगी और कब अनुपमा अपनी चुप्पी तोड़ेगी. एपिसोड की शुरुआत में रजनी देसाई खुद को मासूम दिखाने की कोशिश करती है और चॉल में पहुंचकर घड़ियाली आंसू बहाती है. वह अनुपमा को अपनी दोस्त बताकर सहानुभूति बटोरने की कोशिश करती है. लेकिन उसे क्या पता था कि जिस कहानी को वह अपने फायदे के लिए गढ़ रही है, वही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाएगी. धीरे-धीरे माहौल ऐसा बनता है कि रजनी का डर बाहर आने लगता है.

माता की चौकी पर सुधा का सच

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस सुधा चंद्रन हाल ही में एक वायरल वीडियो की वजह से सुर्खियों में आ गई. माता की चौकी के दौरान सामने आए इस वीडियो में सुधा ऐसी हालत में नजर आईं, जिसे देखकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे. कुछ लोगों ने इसे आध्यात्मिक अनुभव बताया, तो कुछ ने इसे दिखावा कहकर ट्रोल करना शुरू कर दिया. वीडियो वायरल होने के बाद सुधा चंद्रन काफी समय तक चुप रहीं, लेकिन अब उन्होंने इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. पारस छाबड़ा के साथ एक पॉडकास्ट में पहुंचीं सुधा ने न सिर्फ उस दिन का अनुभव साझा किया, बल्कि ट्रोलर्स को भी साफ जवाब दिया. उन्होंने बताया कि उस वक्त उन्हें खुद समझ नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है.

जयशंकर त्रिपाठी निभाएंगे महेश कुमार का किरदार

एण्डटीवी अपने आगामी शो 'हे भगवान-कितना बदल गया इंसान !' के साथ दर्शकों के लिए हल्का-फुल्का और दिल को छू लेने वाला मनोरंजन लेकर आ रहा है. उज्जैन की पवित्र नगरी में आधारित यह शो रोज़मर्रा की जिंदगी, पारिवारिक उलझनों और हल्के पौराणिक रंग के साथ एक ताज़ा कहानी पेश करेगा. इस शो में अभिनेता जयशंकर त्रिपाठी ने महेश कुमार शर्मा के रूप में मुख्य भूमिका निभाई है. महेश एक बेहद ईमानदार वकील हैं, जो किसी भी हाल में झूठ नहीं बोल सकते. उनकी यही सच्चाई उन्हें घर, कोर्ट और समाज में कई मज़ेदार और अजीब परिस्थितियों में फंसा देती है. उज्जैन के 'हरिश्चंद्र' कहे जाने वाले महेश की जिंदगी उस समय एक नया मोड़ लेती है, जब भगवान शिव स्वयं धरती पर आते हैं. यहीं से एक भावनात्मक और हास्य से भरी यात्रा शुरू होती है, जो आसपास के लोगों को करुणा, आत्मचिंतन और सच्चाई की ओर प्रेरित करती है.

ऑटोमोबाइल

भारतीय सड़कों के लिए तैयार नई रेनो डस्टर

रेनो कंपनी ने वर्ष 2026 के लिए नई डस्टर को भारत के लिए खास तौर पर तैयार कर पेश किया है. यह डस्टर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बिकने वाले मॉडल से काफी अलग है. कंपनी ने इसे भारतीय ग्राहकों की पसंद, सड़कों की स्थिति और उपयोग की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया है. इसी कारण भारत-स्पेक रेनो डस्टर को डिज़ाइन, फीचर्स और पावरट्रेन के मामले में अधिक दमदार बनाया गया है. नई डस्टर का बाहरी स्वरूप पूरी तरह मजबूत और एसयूवी जैसा दिखाई देता है.

इसके आगे की ओर बड़े अक्षरों में डस्टर लिखा गया ग्रिल दिया गया है, जो इसे अलग पहचान देता है. बॉक्सी और मस्क्युलर बनावट, 212 मिलीमीटर ग्राउंड क्लीयरेंस, 18 इंच के अलॉय पहिए और चौड़े टायर मिलकर इसे शानदार रोड प्रेजेंस देते हैं. पीछे की ओर एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट और एलईडी टेललैंप इसे आधुनिक लुक प्रदान करते हैं. केबिन की बात करें तो नई डस्टर पहले से कहीं ज्यादा खुली, आरामदायक और व्यावहारिक है. आगे की सीटें पावर से चलने वाली और हवादार हैं, जिनमें कमर के सहारे की सुविधा भी दी गई है. पीछे की सीटों पर तीन एडजस्ट होने वाले हेडरेस्ट, बीच में आर्मरेस्ट, रियर एसी वेंट और टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट दिए गए हैं. इसके अलावा, बड़ा पैनोरमिक सनरूफ केबिन को रोशनी से भर देता है.

रेनो के अनुसार, नई डस्टर में 700 लीटर तक का बूट स्पेस मिलता है, जो इस सेगमेंट में सबसे अधिक बताया जा रहा है. यह क्षमता छत तक सामान लोड करने पर मानी गई है. बूट में लाइट, हुक और स्पेयर व्हील के लिए अलग जगह दी गई है. साथ ही पावर से चलने वाला टेलगेट भी इसमें मौजूद है.

तकनीक के मामले में भी डस्टर पीछे नहीं है. इसमें 10 इंच की टच स्क्रीन दी गई है, जो गूगल आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करती है. इसमें नेविगेशन और अन्य ऐप्स पहले से मौजूद हैं.

मर्सिडीज की नई एस-क्लास

लक्जरी और तकनीक का बेजोड़ संगम

मर्सिडीज-बेंज ने अपनी प्रमुख लक्ज़री सेडान एस-क्लास का वर्ष 2027 का नया रूप (फेसलिफ्ट संस्करण) पेश कर दिया है. यह अब तक का सबसे बड़ा अपडेट माना जा रहा है. कंपनी के अनुसार, इस नई एस-क्लास में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्से को नया, उन्नत या परिष्कृत किया गया है.

डिज़ाइन, तकनीक, सॉफ़्टवेयर और इंजन—हर स्तर पर इसमें बड़े बदलाव किए गए हैं. खास बात यह है कि कड़े उत्सर्जन नियमों के बावजूद इसमें वी-8 इंजन को बनाए रखा गया है. नई एस-क्लास का बाहरी रूप पहले से अधिक भव्य और प्रभावशाली हो गया है. इसके आगे का ग्रिल लगभग 20 प्रतिशत बड़ा किया गया है, जो अब रोशनी से चमकने वाला है. इसमें त्रि-आयामी क्रोम स्टार डिज़ाइन दिया गया है. बोनट पर लगा मर्सिडीज़ का पारंपरिक निशान भी रोशन हो सकता है, जिससे रात के समय कार की पहचान और निखर जाती है. हेडलैम्प और टेललैम्प में भी स्टार आकृति वाली रोशनी का इस्तेमाल किया गया है.

इस फेसलिफ्ट में डिजिटल लाइट तकनीक का नया संस्करण दिया गया है. माइक्रो-एलईडी तकनीक से लैस यह प्रणाली पहले की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक रोशनी क्षेत्र प्रदान करती है. कैमरा और नेविगेशन आंकड़ों के आधार पर यह लाइट अपने आप समायोजित हो जाती है, जिससे रात में ड्राइविंग अधिक सुरक्षित बनती है.

कार का केबिन पूरी तरह डिजिटल लक्ज़री का उदाहरण है. डैशबोर्ड पर फैली एमबीयूएक्स सुपरस्क्रीन में डिजिटल मीटर, मुख्य टच स्क्रीन और आगे बैठे यात्री के लिए अलग स्क्रीन दी गई है. यह पूरा सिस्टम मर्सिडीज़ के नए एमबी ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलता है, जो तेज़ प्रोसेसिंग और दूर से अपडेट होने की सुविधा देता है. ग्राहकों की सुविधा के लिए स्टीयरिंग पर कुछ भौतिक बटन भी दोबारा जोड़े गए हैं.

नई एस-क्लास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित वॉयस सहायक दिया गया है, जो अब अधिक स्वाभाविक बातचीत कर सकता है. पीछे की सीटों के लिए दो बड़ी मनोरंजन स्क्रीन, अलग नियंत्रण टैबलेट और वीडियो बैठक की सुविधा भी मौजूद है, जिससे इसे 'चलता-फिरता बोर्डरूम' कहा जा रहा है.

रंगों के खेल में बदली शाइन 125

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक शाइन 125 का नया लिमिटेड संस्करण पेश किया है. यह विशेष संस्करण शाइन 125 के डिस्क मॉडल पर आधारित है और इसमें कंपनी ने रंगों और ग्राफिक्स के जरिए इसे नया और प्रीमियम रूप देने की कोशिश की है. यह बाइक आने वाले दिनों में बाजार में उतारी जा सकती है.

होंडा शाइन 125 लिमिटेड संस्करण की सबसे बड़ी खासियत इसकी नई रंग योजना है, जिसे कंपनी ने पर्ल सायरन ब्लू नाम दिया है. इस रंग में बाइक को गहरा नीला फिनिश मिलता है, जो टैंक पर बने खास 'शाइन' ग्राफिक्स के साथ काफी आकर्षक दिखाई देता है. इसके साथ ही पहियों को पाइराइट ब्राउन रंग में रंगा गया है, जिससे बाइक का लुक पहले के मुकाबले ज्यादा प्रीमियम और अलग नजर आता है.

हालांकि होंडा पहले से ही शाइन 125 डिस्क मॉडल में पर्ल सायरन ब्लू रंग देती है, लेकिन लिमिटेड संस्करण में दिए गए ग्राफिक्स और रंगे हुए पहिए इसे बाकी मॉडलों से अलग बनाते हैं. कंपनी ने यह साफ किया है कि यह रंग और ग्राफिक संयोजन किसी अन्य शाइन 125 संस्करण में उपलब्ध नहीं होगा.

डिज़ाइन में बदलाव के अलावा, मैकेनिकल रूप से बाइक में कोई बदलाव नहीं किया गया है. इसमें वही 123.94 सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 10.6 बीएचपी की शक्ति और 11 न्यूटन मीटर का टॉर्क पैदा करता है. यह इंजन अपनी भरोसेमंद परफॉर्मेंस और बेहतर माइलेज के लिए जाना जाता है. कीमत की बात करें तो उम्मीद है कि शाइन 125 लिमिटेड संस्करण की कीमत मौजूदा शाइन 125 डिस्क मॉडल से करीब 1,500 से 2,000 रुपये अधिक हो सकती है. वर्तमान में शाइन 125 डिस्क की एक्स-शोरूम कीमत लगभग 85,211 रुपये है.

इसी के साथ होंडा ने अपने लोकप्रिय स्कूटर डियो का भी एक खास एक्स-संस्करण पेश किया है.

सड़क पर सुरक्षा से ही सुरक्षित सफर

देश में दोपहिया वाहन दुर्घटनाओं के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकतर हादसे किसी तकनीकी खराबी से नहीं, बल्कि राइडर की छोटी-छोटी लापरवाहियों के कारण होते हैं. हेलमेट न पहनना, मोबाइल का इस्तेमाल, तेज़ रफ्तार और लेन नियमों की अनदेखी ऐसी आदतें हैं, जो जानलेवा साबित हो सकती हैं. यदि कुछ जरूरी सुरक्षा नियमों का पालन किया जाए, तो दुर्घटनाओं के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है.

बाइक चलाते समय सुरक्षा को हमेशा पहली प्राथमिकता देनी चाहिए. भारतीय मानक संस्थान का प्रमाणित फुल-फेस हेलमेट पहनना बेहद जरूरी है. ढीला या बिना पट्टी वाला हेलमेट हादसे के समय सिर से निकल सकता है, जिससे गंभीर चोट या जान जाने का खतरा बढ़ जाता है. साथ ही पीछे बैठने वाले व्यक्ति के लिए भी हेलमेट अनिवार्य होना चाहिए.

राइडिंग के दौरान पीछे देखने वाले शीशों पर लगातार नजर रखना जरूरी है. कुछ सेकंड में एक बार शीशे देखने से पीछे से आ रहे तेज़ वाहन या ओवरटेक करने वालों की जानकारी मिलती रहती है और टक्कर की संभावना कम होती है. लेन अनुशासन सड़क सुरक्षा की बुनियाद है. बार-बार लेन बदलना, अचानक कट मारना या जिग-जैग तरीके से बाइक चलाना न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि जान के लिए भी खतरनाक है. अपनी लेन में स्थिर गति से चलाने से दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है.

बाइक चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल बेहद खतरनाक है. फोन पर बात करना या स्क्रीन देखना प्रतिक्रिया समय को कम कर देता है.